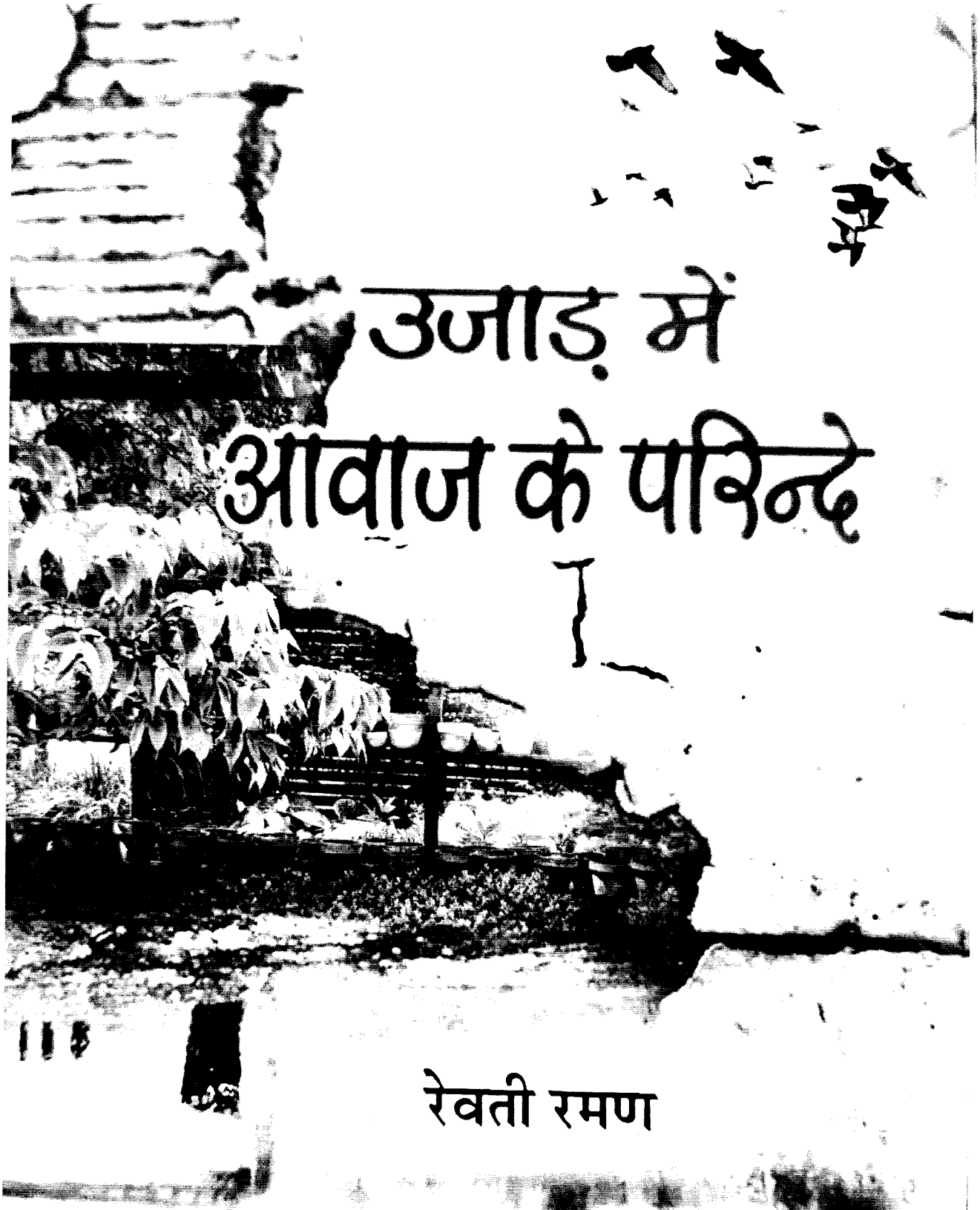

उजाड़ में आवाज के परिन्दे

रेवती रमण

उजाड़ में आवाज के परिन्दे

रेवती रमण

अभिधा प्रकाशन

ISBN : 978-93-87533-37-0

प्रथम संस्करण
2018
सर्वाधिकार
रेवती रमण

प्रकाशक
अभिधा प्रकाशन
रामदयालु नगर, मुजफ्फरपुर-842002

अक्षर-संयोजन
अजीत कुमार

मुद्रक
बी० के० ऑफसेट, दिल्ली - 32

मूल्य
450/- (चार सौ पचास रुपये)

Ujar Me Awaj Ke Parindey
By **Rewati Raman**

Rs. 450.00

अनुक्रम

1.	युगान्तकारी प्रतिभा के उदय के साक्ष्य	09
2.	एक पुरबिहा कवि की वापसी	21
3.	अपराजेय कवि का भविष्य-स्वप्न	31
4.	वह एक विचार का जीवन है	44
5.	प्रतिगामी समय के प्रतिरोध में	53
6.	बोलो, जैसे बिजली बोलती है	60
7.	जीवित आवाजों को थामने की कोशिश	71
8.	दुःख का दर्शन नहीं, अनुभूति	85
9.	कविता में देश-काल-समाज	91
10.	गुमनाम जीवन की उत्तरकथा	98
11.	अन्तर्वृतियों का आन्दोलन	106
12.	मुझे मुक्त करेगी मेरी प्यास	111
13.	कविता पृथ्वी अवसादग्रस्त	116
14.	समानता के संघर्षोत्सव की दीपमालिका	127
15.	आवाज में आन्दोलन और गहराई	136
16.	आसमान के सफे पर लिखा चाँद	150
17.	हवा को चीरती समय के स्वप्न की चीख	159
18.	फल में बन्द वृक्ष	166
19.	कविता लिये जाती है अपने भीतर	182
20.	अभी तो जारी है मेरी यात्रा	190
21.	गुमशुदा की तलाश में हाशिये की ओर	200

२२.	पत्थर प्रभाव में जीवन जल की पुकार	२०९
२३.	ऋतुराज की आशा नाम नदी	२२३
२४.	उदात्त अनुभूति की तलाश में	२२९
२५.	उजाड़ में आवाज के परिन्दे	२३४
२६.	सम्मोहन के विपक्ष में संवेदना	241
२७.	जवाहर की पदचाप	247
२८.	नवोन्मेष की क्षमता और परम्परा	252
२९.	जनसंबद्ध गीत-क्रम	256
३०.	हिमाचल की समकालीन कविता	261

❐